रोगियों के उपचार प्रयासों में सेवा भाव प्रमुख : राज्यपाल पटेल

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि दीन-दुखियों की सेवा मानवता की सेवा है। इससे आत्म संतोष मिलता है। प्रदेश को सिकल सेल और टी.बी. मुक्त बनाने के प्रयासों में सेवा भाव को सर्वोपरि होना चाहिए। राज्यपाल श्री पटेल मंगलवार को लोकभवन में सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन 2047 एवं टी.बी. मुक्त भारत अभियान के तहत लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और आयुष विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। जनजातीय प्रकोष्ठ द्वारा जवाहर खण्ड सभागार में आयोजित बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल और आयुष मंत्री श्री इंदर सिंह परमार भी मौजूद थे। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि सिकल सेल रोगियों को आयुष्मान योजना के तहत दी जाने वाली सुविधाएं और पात्रता आदि की समुचित जानकारी दें।

श्रमिक वर्ग कल्याण के लिये बहुमंजिला एलआईजी और ईडब्ल्यूएस आवास निर्मित करें : विजयवर्गीय

मंत्री विजयवर्गीय ने मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल की समीक्षा बैठक ली

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय की अध्यक्षता में मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल की समीक्षा बैठक हुई। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने प्रदेश के चहुँमुखी विकास और मध्यम एवं निर्धन वर्ग के लिए सुलभ आवास उपलब्ध कराने की दिशा में ऐतिहासिक निर्णय लिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार की प्राथमिकता न केवल आवास उपलब्ध कराना है, बल्कि आधुनिकता और पर्यावरण संरक्षण के सामंजस्य के साथ नागरिकों के जीवन स्तर को उन्नत करना भी है। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने विशेष रूप से श्रमिक वर्ग के हितों को रेखांकित करते हुए निर्देश दिए कि प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों के समीप 5 हजार एलआईजी और ईडब्ल्यूएस आवासों का निर्माण किया जाए। उन्होंने कहा कि इन आवासों को तीन से चार मंजिला स्वरूप में निर्मित किया जाए जिससे सीमित भूमि का अधिकतम और प्रभावी उपयोग हो सके। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने निर्माण कार्यों में उच्च स्तरीय गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर बल देते हुए कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों के पास आवास होने से कर्मचारी वर्ग के समय और संसाधनों की बचत होगी, जिससे उनकी कार्यक्षमता और जीवन स्तर में सुधार आएगा। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने भोपाल में संचालित महत्वपूर्ण परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट सहित नवीन कलेक्ट्रेट एवं कमिश्नर भवनों के निर्माण को लेकर विशेष दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ये सभी नवीन भवन भविष्य की आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए बनाए जाएं।

साहित्यकार पूर्णिमा वर्मा के परिवार ने जीवित रखी भारतीय परंपरा

अमेरिका के सिएटल में पदोन्नति की खुशी पर सत्यनारायण कथा

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल/सिएटल।

आज के दौर में जहां आधुनिकता और पश्चिमी संस्कृति के प्रभाव में हम अपनी परंपराओं से दूर होते जा रहे हैं, वहीं सात समंदर पार अमेरिका में एक भारतीय परिवार ने अपनी जड़ों से जुड़े रहने का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया है। भोपाल से नाता रखने वाली राजधानी की जानी-मानी साहित्यकार पूर्णिमा वर्मा के परिवार ने अमेरिका में भारतीय संस्कृति की ऐसी मिसाल पेश की है, जिसने यह साबित कर दिया कि सच्चे संस्कार सीमाओं और दूरियों से परे होते हैं। अमेरिका के सिएटल शहर में रहने वाले उनके पुत्र मुदित वर्मा, उनकी धर्मपत्नी तानिया वर्मा और पुत्र रयान ने हाल ही में मुदित वर्मा की पदोन्नति की खुशी में घर पर भगवान सत्यनारायण की कथा का आयोजन किया। आज जब भारत में किसी उपलब्धि या पदोन्नति के अवसर पर अक्सर केक-कटिंग, डीजे और तड़क-भड़क वाली पार्टियों का चलन बढ़ रहा है, ऐसे समय में विदेश की धरती पर भारतीय धार्मिक परंपरा के साथ खुशी मनाना अपने-आप में एक प्रेरणादायी उदाहरण है।

21 परिवारों के साथ मनाया संस्कारों का उत्सव

इस पावन अवसर पर वर्मा परिवार ने अपने घर पर 21 भारतीय परिवारों को आमंत्रित किया था, जिसमें लगभग 75 लोग शामिल हुए। कथा का आयोजन बड़े श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। बनारस से जुड़े एक विद्वान पंडित तथा सिएटल-रेडमंड हिंदू मंदिर के पंडित ने मिलकर कथा का विधिवत आयोजन कराया। सभी श्रद्धालुओं ने श्रद्धा के साथ कथा में भाग लिया और पूजा-अर्चना के बाद प्रसाद ग्रहण किया।

वर्मा परिवार का यह आयोजन केवल एक धार्मिक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि भारतीयता की उस खुशबू का प्रतीक था जो हजारों किलोमीटर दूर रहते हुए भी दिलों में बसी रहती है। सात समंदर पार भी भारतीय मिट्टी की ऐसी सुगंध यह बताती है कि सच्चा भारतीय विश्व के किसी भी कोने में क्यों न रहे, उसके भीतर भारतीय सभ्यता और संस्कृति हमेशा जीवित रहती है।

अन्नपूर्णा के रूप में नजर आईं पूर्णिमा वर्मा

कार्यक्रम की एक और विशेषता यह रही कि साहित्यकार पूर्णिमा वर्मा स्वयं भी इस आयोजन में अन्नपूर्णा के रूप में नजर आईं। सिर्फ कलम ही नहीं यहां उनकी कलाइयों का कमाल भी नजर आया। पूर्णिमा वर्मा ने लगभग 80 लोगों के लिए पूरा भोजन स्वयं अपने हाथों से तैयार किया। यह भोजन पूरी तरह भारतीय व्यंजनों से सुसज्जित था, जिसमें पनीर बटर मसाला, मिक्स वेज, छोले, रायता, पूड़ी, पुलाव सहित कई पारंपरिक व्यंजन शामिल थे। विदेश की धरती पर इतने लोगों के लिए बिना किसी सहायता के स्वयं भोजन बनाना उनके स्नेह और संस्कारों का जीवंत प्रमाण बन गया। इस आयोजन ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि मां के दिए संस्कार ही पीढ़ियों को दिशा देते हैं। पूर्णिमा वर्मा द्वारा दिए गए वही संस्कार उनके बेटे-बहू और पोते में साफ दिखाई दिए। आज जब भारतीय समाज तेजी से बदलते दौर से गुजर रहा है, ऐसे में विदेश में बसे भारतीय परिवारों द्वारा अपनी संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखना एक सकारात्मक संदेश देता है।

ट्रैफिक पुलिस के सहयोग से ट्रैफिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सफलतापूर्वक हुआ सम्पन्न

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

आज भोपाल शहर में एक प्रभावशाली ट्रैफिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जो भोपाल ट्रैफिक पुलिस के सहयोग से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में AKSA International के विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लेकर आम नागरिकों को ट्रैफिक नियमों के पालन और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। AKSA International के विद्यार्थी, जो एविएशन और हॉस्पिटैलिटी सेफ्टी स्टैंडर्ड्स में प्रशिक्षित हैं, उन्होंने आगे बढ़कर लोगों को सड़क पर अनुशासन बनाए रखने का संदेश दिया। इस कार्यक्रम की सबसे खास बात यह रही कि AKSA International के छात्रों ने एयर होस्टेस सेफ्टी डेमोंस्ट्रेशन की शैली में लोगों को जागरूक किया– एक ऐसा प्रदर्शन जो आमतौर पर हजारों फीट की ऊंचाई पर विमान में किया जाता है। लेकिन आज, यही विद्यार्थी जमीन पर उतरकर भोपाल की सड़कों पर लोगों को ट्रैफिक नियमों के बारे में जागरूक करते हुए दिखाई दिए।

लाइव डेमोंस्ट्रेशन के माध्यम से विद्यार्थियों ने समझाया

हेलमेट पहनना कितना आवश्यक है
सीट बेल्ट का हमेशा उपयोग करना
ट्रैफिक सिग्नल का पालन करना
ड्राइविंग के दौरान मोबाइल का उपयोग न करना
सड़क पर नियमों और पैदल यात्रियों का सम्मान करना

नागरिकों ने AKSA International के विद्यार्थियों और भोपाल ट्रैफिक पुलिस के इस प्रयास की सराहना की और इसे समाज के लिए एक सराहनीय पहल बताया।

यह पहल AKSA International की सामाजिक जिम्मेदारी को दर्शाती है, जो भोपाल ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर शहर को सुरक्षित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

ऐसे जागरूकता कार्यक्रम सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और लोगों में जिम्मेदार व्यवहार को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।